भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4366**

उत्तर देने की तारीख 19 मार्च, 2020

29 फाल्गुन, 1941 (शक)

## क्षेत्रीय मार्शल आर्ट

**4366. श्री टी.एन. प्रथापनः**

**श्री राजमोहन उन्नीथनः**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की क्षेत्रीय मार्शल आर्ट के संरक्षण और बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार केरल में कलरीप्पायट्टु अध्ययन के लिए एक केन्द्र की स्थापना करेगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने वर्ष 2020-21 के लिए खेलो इंडिया परियोजना के अंतर्गत केरल के मार्शल आर्ट कलरीप्पायट्टु हेतु कोई निधि आवंटित की है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के लिए चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पर्धाओं में कलरीप्पायट्टु को शामिल करने का विचार है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री किरेन रीजीजू)**

(क) से (ड.) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा क्लारिपयाट्टू सहित देशज खेलों को सहायता प्रदान की जा रही है । इस मंत्रालय ने क्लारिपयाट्टू परंपरागत खेल के लिए इंडियन क्लारिपयाट्टू फेडरेशन को क्षेत्रीय खेल परिसंघ के रूप में मान्यता प्रदान की है । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) अपनी राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) स्कीम के अंतर्गत देशभर में देशज खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) स्कीम का भी कार्यान्वयन कर रहा है जिसके अंतर्गत देशज खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) को बढ़ावा देने में लगे संस्थानों/ स्कूलों को साई द्वारा अपनाया गया है ।

खेलो इंडिया स्कीम के घटक '' ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों के संवर्धन'' के अंतर्गत अवसंरचना विकास और कोचों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर क्लारिपयाट्टू सहित क्षेत्रीय मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा दिया जा रहा है । तिरुवनंतपुरम और अरामुला में दो क्लारि -

केंद्रों की स्थापना करने के लिए 80.00 लाख रु. की धनराशि संस्वीकृत की गई है। इसके अलावा, इन दोनों केंद्रों में कोचों की नियुक्ति के लिए 60.00 लाख रु. की धनराशि सहित प्रतिवर्ष प्रति कोच 5.00 लाख रु. की दर से 3 वर्षों ( वित्तीय वर्ष 2020-21 सहित) के लिए वार्षिक अनुदान संस्वीकृत किया गया है।

इसके अतिरिक्त, इंडियन क्लारिपयाट्टू फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं के 73 पदक विजेताओं को 10,000 रु. प्रति व्यक्ति प्रतिमाह की छात्रवृत्ति पहले ही संस्वीकृत की गई है।

****